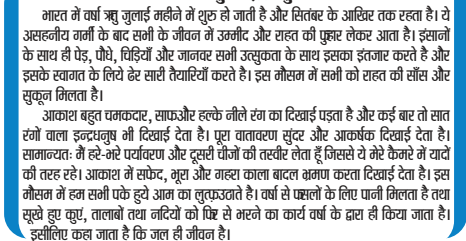


सभी पेड़ और पौधे नवी हो पतियों से भर जाते हैं तथा उद्यान और मैदान सुंदर दिखाई देने लगते हैं हम मधवमती की आंखों से देख जाते हैं। जल के सभी प्राकृतिक स्रोत जैसे नदिया, तालें, तालाबें, गाछों और पानी से भर जाते हैं। सड़कों और खेल का मैदान भी पानी से भर जाता है और मिट्टी कीचड़पट्ट हो जाती है। वर्षा ऋतु के देर साफ़ फावड़े और खुशबू सन है। एक तरफ़वे लोगों को गमभी से राहत देती हो दूसरी तरफ़इसमें कई सारें संकामक बीमारियों के फैलने का डर बना रहता है। यहा तकसां के लिये फसलें के लहसज से बहुत फायदावर रहता है लेकिन यहा कई सारें संक्रमित बीमारियों को भी फैलता है। इससे शरीर को त्वा को काफी असुविधा जगत है। इसके कारण शारिरता, पेण्डिश, डाइफेंडिस और पाचन से संबंधित परेशानियां सामने आती है। वर्षा ऋतु में जीव जन्तु भी बढ़ने लगते हैं। ये हर एक के लिये शुभ मौसम होता है और सभी इसमें खुशी के साथ देर सारी मस्ती करत हैं। इस मौसम में हम सभी पेट डूढ़ आम का लुत्तकजत हैं। वर्षा से फसलों के लिए पानी मिलत है यहा सूखे हुए फल, तालाबों तथा नदियों को फिर से भरने का कार्य वर्षा के द्वारा ही किया जाता है। इसीलिए कहर जाता है कि जल ही जीवन है। वर्षा ऋतु में अकशः में बादल ज जाते हैं, ये गरजते हैं और सुंदर लगते हैं। हरियाली से धरती हमें मधवम सौ लगने लगती है। वर्षां पर नये पत्ते फिर से निकलने लगते हैं। वृक्ष लताएं मनो हरियाली के सन्तम लगती हैं। खेत फूलें नई समता, वास्तव में वर्षा ऋतु किसानों के लिये ईश्वर के द्वारा दिया गया एक वरदान है। वर्षा ऋतु में जीव जन्तु भी बढ़ने लगते हैं। ये हर एक के लिये शुभ मौसम होता है और सभी इसमें खुशी के साथ देर सारी मस्ती करत है।



तुम उससे शिकायत

 तुम उससे शिकायतें दुनिया भर की करन लड़ लेना, झगड़ लेना, अपनी सात भड़ास निकाल लेना, लेकिन वो जब थक हाकूर घर आए तो उसे पहले चैन से सो नियाले खाने देना सुकून के पल जी लेने देना। क्योंकि न तुम्हारी एटीएम मशीन है, शिकायत पेटी।

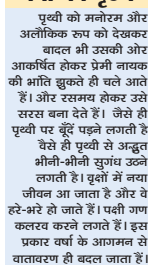
नात जुगनुपु सागर अन्वर कह दूँ या पन्थत फीरे
 सभी बालन आवारा या नखटख खांमोशी से क
 उठते उठार सभी पुष्पक भाव से गह लेना
 का प्यार सभी सम्य चक्र का ठीक नहीं कर
 के है उमर सभी नेह जितन गीहर हूँ मैं गहरा
 रणों को अंगड़ाई कर देगी उमरमा मुझे प्रेम
 नत का की तलछट फीरे है उमरमा सभी ठेरे
 का अर्पण कर दूँ पर कैसे इस शरीकता में खु
 निरोहित करती है उन शब्द-ज्ञान का यह ज
 - निरुपमा चतुर्वेदी

कुछ चीजें सार्वजनिक न होकर बेहद निजी हो
टी जब सार्वजनिक होती है तो लड़का लड़की
ले लायक नहीं रह जाते हैं खुले आम सार्वज
ी देव स्थान में पानी के भीतर इस बात को
हैं क्यों? मारना नहीं था पर जलील तो करन

नवीन चंद्रा
बनी हर दिल की
अपनी ओर, ध्यान

पहिली तरा हई बी सुई आन अखल रहल या। सारे पड़े पीछे मुठे रहे या। पत्नी पदु अल गेली बेचल या। ह दय की ओजना जे नमज्नात की प्रथिब करत रहल या। नगीन अजगुन बसल ये जे नौगोन में बहलवा आन अखल रहल ये। सिर नखल, तन हवा और नुगनाइदर के सारा मना करल हल लेने लाल। भुंति के लीकी सुख सखस को मखल लाल। हरे पीछे में नख जाली अन खाल। या म्नुत हवा खस के सिंदे प्यारा नौसज खेत है। सामाज्यता: ये नुलुई के मखेन में आत है और सिफत के मखेन में आत है। प्रपुस नगीन की नौसज के बर आत है। ये पहिली पर नौसज हरे जाल-जुल के सिंदे एक उखली और जीनल लेखल और ये नु सोज की पाया की कज से खलन ले आत है। यह आनन प्रपुसिक और अहरे बहल के पानी की पकल से खलन को बहुत बल मखल है। नगीन के डरसन को नदी और तालाब सुख जते ये फिर से बहिरत के पवन से जते जते। डरसन जालयेयो को नखा जीनल मखल है। यह आनन और मैदान को अजली हरिलनी पयास देत है। यक ह्मासे पहिलज को एक नख सुंदर पाना कयली है हलवाँकि ये दुसरी की यक ये सिफरिनी मखली के सिंदे रहत है।

हमारे देश में चार मुख्य ज़रतुओं में वर्षा ज़रतु एक है। यह ऐसी ज़रतु है जो लगभग सभी लोगों की पसंदीदा होती है क्योंकि राहला देवे जलानि गर्मी के बाद ये दूसरा का एहासि लेक्टर होती है। वर्षा ज़रतु जुलाई से शुरू होती है अर्थात् साहजन भादों के महीनों में होती है। यह मौसम भारतीय किसानों के लिए बेहद ही हितकारी एवं महत्वपूर्ण है। कछड़वाती गर्मी के बाद जून और जुलाई के महीने में वर्षा ज़रतु का आगमन होता है और लोगों को गर्मी से काफी राहत मिलती है। वर्षा ज़रतु एक बहुत ही सख्ताना ज़रतु है।



यथा ऋतु के अपने फायदे और नुकसान हैं। बारिष्टा का मौसम सन्नी को अच्छा लगता है क्योंकि यह सूखे की तपती गर्मी से राहत देता है। यह पर्यावरण से सन्नी गर्मी को रद्द देता है और एक ठंडा एक्सास लेता है। यह पैसे, धैर्य, ध्यान, धैर्य और संतुष्टि और जो बड़ने में मदद करता है। यह मौसम सन्नी जगजगत् और परियों को भी बेहद पसंद करता है क्योंकि उन्हें चलने के लिए वे सही पदार्थों, धर्म और विचारों की जरूरत पड़ती है। और इससे थोड़े दिन में वे बार पाएंगे और मैसों का उदा उमाला हो जाता है। सन्नी प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी और तालाब आदि पानी से भर जाता है। यह बारिष्टा लेती है तो सन्नी सूखे, ऊजाला तथा सूखे से मैनदान और घसीटकरू से जता है। इससे थोड़े ही अने खेलेने में भाग्य उलटि जाती है। सूखे की उम्हुरी परेशानी के बिना सब कुछ बहने लगता है। सूखे की परेशानी की कमी की कम्ह से बहार पाए सक्रान्कन बीमारियों (दिषायु, फुफ्फूरी और बैक्टीरिया से लेने वाली) के फलने से काखरा बह जाता है। यथा ऋतु में, भूमि की सफाई और संस्करण वर्षा का पानी धरती के अंदर जाकर पानी के मुख्य स्रोत के साथ में मिलकर पचाना प्रियाओं के तंत्र को बिगाड़ देता है। भारी बारिष्टा के कारण बहने का संभावना भी रहता है। यथा ऋतु को सन्नी ऋतुओं का नतीजा बन जाता है। भारते में यथा ऋतु ऋतुओं में यथा ऋतु का है। यह सब साल भरानी के मौसम के बह गुणों से शुरू होकर सिखरित बन जाता है। यह मानवान् पातु है तो अत्यधिक के बालर बढ़ता है। गर्मी के मौसम में तालाबों और पहातों के कारण पानी के संस्करण ऐसे मन्साभार, नदी और वाष्प के रूप में बालर बन जाते हैं। वाष्प आकार में उड़ने लगे हैं और बालर बन जाते हैं जो वर्षा ऋतु में पलक है यह मानवान् बलर है और बालर आपात में चपुन चपुन है।

उत्तरमात्मा- (1) मृच्छक (2) ऐतरेय ब्रह्मसूत्र (3) ऐतरेयब्राह्मणसूत्र
(4) भाग्य (5) अग्निमालाशास्त्र

नाई दिखी (यातां) 1498 - चैन में पहला दृष्ट ब्रज बनाया गया। 1714 - होसने और नेदरलैंड ने व्यापार एग्री समझौते पर हस्ताक्षर किया। 1894 - जर्मनी के काला बेल्ज ने शेर से चलेने वाले अटो का अमेरिकी कोस्ट गार्ड हस्तान्तरित किया। 1909 - लंदन में विकटोरीा और अल्बर्ट सहाय्यता स्वीकृत गये। 1919 - अमेरिका में न्यूयॉर्क स्टॉक जमा प्रकाशन शुरू हुआ। 1941 - द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिनलैंड ने रूस के हिटलर समर्थी छोड़ा। 1945 - रूस आफ़िसो को 50 सालों में संयुक्त राष्ट्र के चार्टर पर हस्ताक्षर किया। 1949 - बेलजियम के संसदीय प्रजासत्त में पहली बार महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला। 1952 - लेक्सेम बर्ग का 51 अंश लोहा ने दक्षिण अफ्रीका में कथं का अखंडन किया। 1982 - एयर इंडिया का पहला बोइंग विमान-350 में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। 1994 - पोलैंड को नई नागरिक अंतरा 27 लाख जा गज़ा लोटो। 2000 - उत्तर अफ़ग़ानिस्तान में अल-क़ायेदा ने अमेरिकी 8 वीं के इलाक़ा में पहली बार अर्ध-आगेनी विमान हथियारों के स्वतंत्र ज़ांच की अनुमति दी। 2001 - युगांडा में कर्तव्य निहल में सप्त लोको की मौत। 2003 - ब्रिटेन की पूर्व प्रधान मंत्री मारेज़ बेचर के पति सर डेविड बेचर का लंदन में अपराध 2004 - पाकिस्तान के प्रधान-मंत्री ज़फ़रुल्ला अमली ने साराखुद घाटी के सदस्यों की बैठक में सर इस्लामिक मूवमेंट मीडियम-को भांग कर दिया और कर्तव्यी नुआत हुनन को पाकिस्तान मुस्लिम लीग (पीएमएल) का अध्यक्ष नियुक्त किया।

कभी कभी चुपके से आहिस्ता मौका मिलते ही डालती हैं तेरी जब कभी उंगली तब बहुत कुछ कहना चाहती हैं उस खून में जो तेरी आत्मा से तेरी आत्मा तक पहुँचने के लिए पर हवा की दीवार बन जाती है अड़चन और फिर सहम कर पीछे खींचती उलटियाँ और ऐसे ही खत्म हो जाते हैं वो भाव भी जिससे तू थोड़े माफ़कर अपनाने का - सीमा राय द्विवेदी

ग अपना स्वेग है किसी राज्य

पर्यटनस्थानों या दर्शन वनकर खुश रहते हैं! यूपी, बिहार, मंगला
बाद एक और बड़े राज्य महाराष्ट्र में वे पार्टी आज सत्ता से सां
के चुनौती हैं। बीजेपी से लिफ्टे आज वे शिपसे की तफ्तीकत
भी समझ करपी टीएमसी कभी आजेऊँ की तफ्तीकतदेखते हैं। दखि
भी है कमोबेश इनकी यही स्थिति है। - अंबर दानी

मादक बयार चले, कानन पलाश

मादक बयार चले, कानन पलाश खिला, मधुघु पुरण पान, मद
सज्जीन पान। गली-गली खेल तारे, मंजीरा मुन्दा बाने, नर
कैसे, मधुर सुरीता गाया। भाजव, देखे आली, मुन्दा कूँवर साल
गा, खेलें सें भाग-भाग। दसूय सें लाल उडे, अंबर गुलाल उडे
गा भजे सें अडे काले गा, अंबर विरेगेरा गा

अपने
अंतिम शब्द
... रिस्ते में
जहर से भी

सन फ्रांस
पर हस्ताक्ष
चुनाव में
अधिकार
अन्य लोगे

डोर दू डोर हो रहा सर्व

धुआँरहित एकूँ की भाग बनने से आसानी मिलाने लगेकहीं राग ने बताया. धुआँरहित की भाग से थोके के घेरे में आने से पहले वह कभी नहीं सोचता कि आकाश के लिए सजाना भी जगद गुरुवारा प्रवेश करिग्या। सबसे आसानी सूखी धुआँन ही है कि ऐसे जगद गुरुवारे से बाबा के लिए कर्तव्य का आसक्ति मिले। धुआँरहित पुरान राखर के जगद गुरुवारे में आभा लभतयार है, इन्हीनिए वह पुरान जगद व आकाश के के नानाग, काना, सुभागीय व तीब के 50-60 सेठ में लहारा भी में पुरान है। और उँके जगदगुरु के देवता लीब के के सचिक आसक्ति मिलित होले की स्थिति में पंडित जी सजकी से यह पुरान निःशुकर लगत्या जाता है।

मिर्मानि सजकी कोसले ने बताया: सामान्य जगद पर धुआँ ही खासी का मुख कालाग खासी होले और लाकारा खासी होले से टीबी रोग होने की सम्भाना बढ़ जाता है। इन्हीनिए धुआँ पर नियंत्रण का प्रार्थमिकता में रखकर यह
